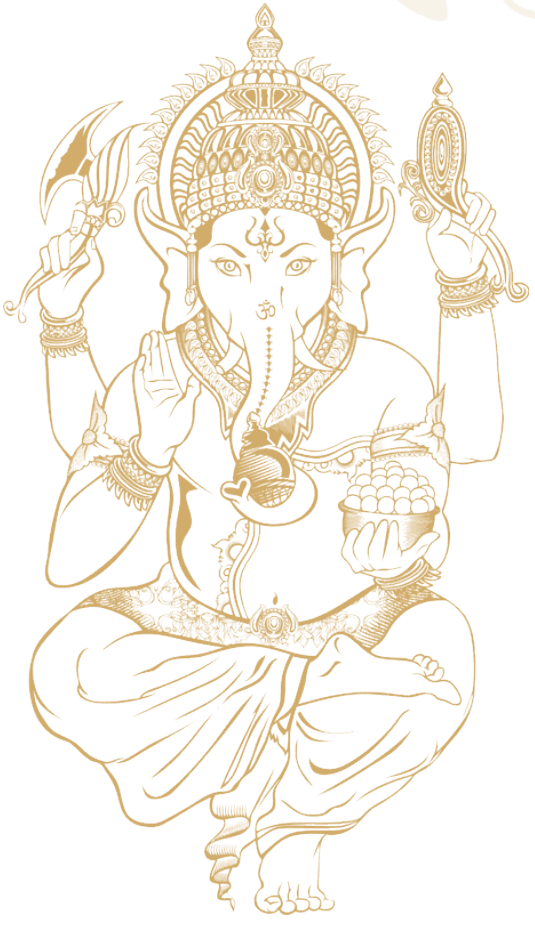

Dhruv sangavi

Jeena

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121391303

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
12-13/01/2000 :	जन्म तिथि	: 25/10/2001
बुध-गुरुवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 05:30:00 :	जन्म समय	: 06:40:00 घंटे
घटी 56:46:02 :	जन्म समय(घटी)	: 01:10:48 घटी
India :	देश	: India
Kolhapur :	स्थान	: Kolhapur
16:06:00 उत्तर :	अक्षांश	: 16:06:00 उत्तर
78:20:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:16:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:47:35 :	सूर्योदय	: 06:11:40
18:02:34 :	सूर्यास्त	: 17:49:49
23:51:13 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:38

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 10वर्ष 11मा 20दि		08:51:01	धनु	लग्न		तुला	13:40:15	चन्द्र 4वर्ष 0मा 11दि	
बुध		28:14:20	धनु	सूर्य		तुला	07:48:49	राहु	
03/01/2011		08:57:58	मीन	चंद्र		मक	17:57:25	05/11/2012	
03/01/2028		13:01:36	कुंभ	मंगल		मक	04:18:06	06/11/2030	
बुध	31/05/2013	26:19:55	धनु	बुध		कन्या	20:42:01	राहु	19/07/2015
केतु	29/05/2014	02:05:10	मेष	गुरु		मिथु	21:41:33	गुरु	12/12/2017
शुक्र	28/03/2017	21:40:47	वृश्चि	शुक्र		कन्या	18:00:10	शनि	18/10/2020
सूर्य	02/02/2018	16:26:07	मेष	शनि	व	वृष	20:23:25	बुध	07/05/2023
चन्द्र	04/07/2019	09:52:38	कर्क	राहु	व	मिथु	05:10:08	केतु	25/05/2024
मंगल	01/07/2020	09:52:38	मक	केतु	व	धनु	05:10:08	शुक्र	26/05/2027
राहु	18/01/2023	21:33:37	मक	हर्ष	व	मक	27:02:48	सूर्य	18/04/2028
गुरु	25/04/2025	09:45:36	मक	नेप		मक	12:07:43	चन्द्र	18/10/2029
शनि	03/01/2028	17:59:10	वृश्चि	प्लूटो		वृश्चि	19:40:52	मंगल	06/11/2030

लग्न-चलित

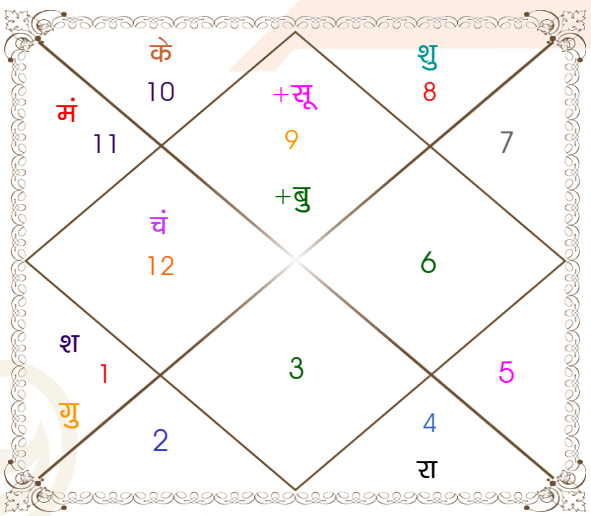

लग्न-चलित

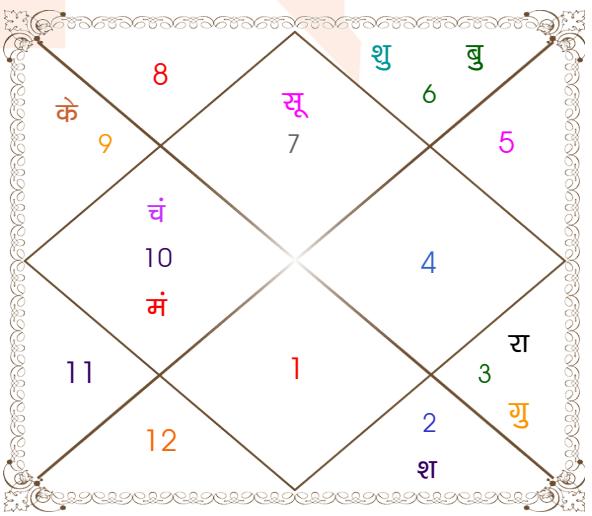

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Dhruv sangavi का वर्ग सर्प है तथा Jeena का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Dhruv sangavi और Jeena का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Dhruv sangavi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Jeena मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jeena कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Jeena कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Dhruv sangavi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Dhruv sangavi तथा Jeena में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977